Who gets Parkinson's?

Any adult can get Parkinson's. It is one of the most common brain conditions in Australia and 25 people are diagnosed every day:

- It is more common among people aged over 60 years.
- It can affect adults of any age.
- It affects both men and women from all cultures and lifestyles.
- It is not contagious, meaning that you can not catch it or pass it on to someone else.
- It is not usually hereditary.

How is it diagnosed?

Parkinson's can be difficult to diagnose because everyone has different symptoms. The early signs of Parkinson's are usually mild and affect only one side of the body. Some people first notice a mild shaking or tremor or problems with writing, shaving or doing up buttons. Another common early sign is that one arm no longer swings when walking.

There is no one test or procedure that can identify Parkinson's. The best person to diagnose Parkinson's is a specialist doctor such as a neurologist. The doctor will observe the patient for symptoms and ask them to describe the problems they are experiencing. Scans (pictures) of the brain may be taken to make sure the problems are not being caused by another condition.

Can Parkinson's be treated?

Medications, treatments and therapies are available to help manage the symptoms of Parkinson's. It is very important that people with Parkinson's see a specialist doctor such as a neurologist for advice on available medications and ongoing monitoring of symptoms.

Can Parkinson's be cured?

Unfortunately we do not yet know of any way to cure Parkinson's or to slow its progression. New and better treatments and medications are being researched, giving us some hope for the future.

Remember:

People with Parkinson's can continue to enjoy a long and productive life with support, information and treatment.

For further information & support contact:

1800 644 189

To speak to us in a language other than English:

Phone: **131 450** and ask for an interpreter in your language to connect you to Parkinson's Australia in your state or territory. This is a free service.

This and other help sheets are available in a range of community languages. Contact us or download them from our website.

April 2012

Parkinson's Victoria acknowledges the support of the Lord Mayor's Charitable Foundation, which enabled the production of this information resource.

Parkinson's Victoria is not liable for any error or omission in this publication.

© Parkinson's Victoria

पार्किन्संस रोग क्या है?

यह सहायता पत्रक पार्किन्संस रोग का संक्षेप में विवरण है, जिसमें इसके कारण, लक्षण और निदान शामिल हैं।

यहाँ दी गई जानकारी केवल एक संदर्शिका है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि पार्किन्संस से ग्रस्त लोग उपलब्ध उपचारों और लक्षणों के समाधान के लिए न्युरोलोजिस्ट जैसे किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से मिलें।

पार्किन्संस रोग क्या है?

पार्किन्संस रोग एक ऐसी अवस्था है जो गतिविधि को प्रभावित करती है। मस्तिष्क से आने वाले संदेशों में विकार पड़ने के फलस्वरूप पार्किन्संस से ग्रस्त लोगों को शरीर की मांसपेशियों को नियन्त्रित करने में समस्या आती है। ये समस्याएं समय के साथ–साथ और बिगड़ती जाती हैं।

पार्किन्संस रोग का नाम एक ब्रिटिश डॉक्टर, डाक्टर जेम्स पार्किन्सन के नाम से पड़ा है जिन्होंने सबसे पहले 1817 में लक्षणों का वर्णन किया था।

पार्किन्संस रोग किस कारण होता है?

पार्किन्संस रोग के कारण ज्ञात नहीं हैं। हमें यह जानकारी है कि पार्किन्संस रोग से ग्रस्त लोगों में डोपामाइन कहे जाने वाले मस्तिष्क रसायन की मात्रा में कमी होती है। डोपामाइन मांसपेशियों का नियंत्रण करने और शरीर को बिना किसी समस्या के और आसानी से चलाने में मस्तिष्क की सहायता करता है। समय के साथ–साथ, पार्किन्संस से ग्रस्त लोगों में डोपामाइन कम होता जाता है, जिसके परिणामस्वरूप गतिविधि और अधिक कठिन हो जाती है।

यह लोगों को किस प्रकार प्रभावित करता है?

पार्किन्संस रोग हर व्यक्ति को अलग–अलग तरीके से प्रभावित करता है और अलग–अलग दिन लक्षण भिन्न प्रकार के हो सकते हैं।

पार्किन्संस रोग के मुख्य लक्षण इस प्रकार हैंः

- कंपनः शरीर के किसी भाग जैसे कि हाथ, टाँग या सिर में कंपन या सिहरन। यह हरकत अपने आप होती है और व्यक्ति के काबू से बाहर होती है। कंपन आम तौर पर तब होता है जब व्यक्ति विश्राम कर रहा होता है।
- अकड़ी हुई मांसपेशियांः टाँग, गर्दन या चेहरे की मांसपेशियां अकड़ी हुई दिखाई पड़ सकती हैं या प्रतीत हो सकती हैं। पार्किन्संस से ग्रस्त लोग कभी–कभी इतने अकड़े हुए महसूस करते हैं कि वे जमे हुए और हिलने–डुलने में असमर्थ महसूस करते हैं।
- धीमी गतिविधिः गतिविधि धीमी हो सकती है और लोग छोटे–छोटे कदम लेते हुए या पैर घसीटते हुए पैदल चल सकते हैं। लेखन, टाइपिंग, शेव करना और कपड़ों के बटन लगाना जैसी छोटी गतिविधियां भी मुश्किल हो सकती हैं।
- संतुलन संबंधी समस्याएं या सीधे खड़े रहने में कठिनाई।

अन्य समस्याएं जो कि पार्किन्संस से ग्रस्त लोगों को प्रभावित कर सकती हैं, उनमें निम्नलिखित समस्याएं शामिल हैंः

- थकान या कमजोरी
- उदासी या डिप्रेशन
- संतुलन संबंधी समस्याएं
- कब्ज़
- बोलने या निगलने में कठिनाई
- एक समय में एक से ज्यादा काम करने में कठिनाई।

पार्किन्संस रोग के कारण मृत्यु नहीं होती है और पार्किन्संस रोग से ग्रस्त लोग दीर्घकालिक व हितकर जीवन का आनन्द लेना जारी रख सकते हैं।

लक्षणों को इस हद तक विकसित होने में कई वर्ष लग सकते हैं जहाँ उनके कारण गंभीर समस्याएं सामने आएं। जब लक्षण उस हद तक विकसित हो जाते हैं, तो इनमें से कई लक्षणों को उपचार और सहायता के द्वारा संभाला जा सकता है।

पार्किन्संस रोग से कौन ग्रस्त होता है?

कोई भी वयस्क पार्किन्संस रोग से ग्रस्त हो सकता है। यह ऑस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली सबसे सामान्य मस्तिष्क अवस्थाओं में से एक है और प्रति दिन 25 लोगों में इस रोग का निदान किया जाता है।

- यह 60 वर्षों से अधिक की आयु वाले लोगों में अधिक सामान्य होता है।
- यह किसी भी आयु के वयस्क को प्रभावित कर सकता है।
- यह सभी संस्कृतियों और जीवन शैलियों से संबंधित पुरूषों व महिलायों दोनों को प्रभावित कर सकता है।
- यह संक्रामक नहीं है, अर्थात आप इसे किसी अन्य व्यक्ति से ग्रहण नहीं कर सकते हैं और न ही कोई अन्य व्यक्ति इसे आप से ग्रहण कर सकता है।
- यह आम तौर पर वंशानुगत नहीं होता है।

इसका निदान किस प्रकार किया जाता है?

पार्किन्संस रोग का निदान करना कठिन हो सकता है क्योंकि हर किसी में लक्षण अलग होते हैं। पार्किन्संस रोग के शुरूआती लक्षण आम तौर पर हल्के होते हैं और केवल शरीर के एक भाग को ही प्रभावित करते हैं। कुछ लोग सबसे पहले हल्के कंपन या सिरहन या लेखन, शेव करने या बटन बंद करने के साथ समस्याओं का अनुभव करते हैं। एक अन्य आम लक्षण यह है कि पैदल चलते हुए एक भुजा हिलनी बंद हो जाती है।

कोई भी ऐसा एक टेस्ट या तरीका नहीं है जो पार्किन्संस रोग की पहचान कर सके। पार्किन्संस रोग की पहचान करने के लिए सबसे श्रेष्ठ व्यक्ति न्युरोलोजिस्ट जैसा कोई विशेषज्ञ डॉक्टर होता है। डॉक्टर लक्षणों के लिए रोगी का निरीक्षण करेगा और उनसे उनके द्वारा अनुभव की जाने वाली समस्याओं का वर्णन करने का निवेदन करेगा। मस्तिष्क के स्कैन (चित्र) लिए जा सकते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समस्याएं किसी अन्य अवस्था के कारण उत्पन्न नहीं हो रही हैं।

क्या पार्किन्संस रोग का उपचार किया जा सकता है?

पार्किन्संस रोग के लक्षणों की व्यवस्था करने में सहायता हेतु दवाएं, उपचार और थेरेपिस उपलब्ध हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि पार्किन्संस रोग से ग्रस्त लोग उपलब्ध दवाओं और जारी निरीक्षण से संबंधी परामर्श के लिए न्युरोलोजिस्ट जैसे किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से मिलें।

क्या पार्किन्संस रोग से रोगमुक्त हुआ जा सकता है?

दुर्भाग्यवश हमें अभी तक पार्किन्संस रोग को दूर करने या इसकी प्रगति को कम करने का कोई भी तरीका नहीं पता है। नए और बेहतर उपचार व दवायों की शोध की जा रही है, जिसकी वजह से हमें भविष्य के प्रति थोड़ी आशा बंधी है।

याद रखेंः

पार्किन्संस से ग्रस्त लोग सहायता, जानकारी और ईलाज के साथ दीर्घकालिक और हितकर जीवन व्यतीत करना जारी रख सकते हैं।

जानकारी और सहायता के लिए

Parkinson's Victoria (पार्किन्संस ऑस्ट्रेलिया) 1800 644 189

यदि फोन पर बातचीत करने में सहायता के लिए आपको एक दुभाषिए की आवश्यकता हैः

तो **131 450** पर फोन करें और दुभाषिए के लिए निवेदन करें ताकि आपको आपके राज्य या टेरेटरी (राज्य-क्षेत्र) में Parkinson's Australia के साथ कनेक्ट किया जा सके। यह सेवा निःशुल्क है

अप्रैल 2012

इस पुस्तिका को लार्ड मेयर के चैरिटेबल फंड की सहायता के साथ Parkinson's Victoria (पार्किन्संस विक्टोरिया) द्वारा तैयार किया गया है।

Parkinson's Victoria इस प्रकाशन में किसी प्रकार की त्रुटि या चूक के लिए जिम्मेदार नहीं है।

© Parkinson's Victoria

What is **Parkinson's disease?**

This Help sheet gives a basic outline of Parkinson's disease, including its causes, symptoms and diagnosis.

The information here is only a guide. It is very important that people with Parkinson's see a specialist doctor such as a neurologist for expert advice on available treatments and ongoing monitoring of symptoms.

What is Parkinson's disease?

Parkinson's disease is a condition that affects movement. People with Parkinson's have problems controlling the muscles of the body due to a breakdown of messages from the brain. These problems get worse over time.

The name Parkinson's disease comes from the British doctor who first described the symptoms in 1817, Dr James Parkinson. Many people prefer to use the shorter term 'Parkinson's' rather than 'Parkinson's disease'.

What causes Parkinson's disease?

The causes of Parkinson's are not known. We do know that people with Parkinson's have low levels of a brain chemical called dopamine. Dopamine helps the brain to control the muscles and move the body smoothly and easily. Over time, people with Parkinson's have less dopamine, making movement more difficult.

How does it affect people?

Parkinson's affects each person differently and symptoms can vary on different days.

The main symptoms are:

- **Shaking:** shaking or trembling in a part of the body, such as the hand, leg or head. This movement is automatic and out of the person's control. The tremor usually occurs when the person is resting.
- **Stiff muscles:** muscles such as leg, neck or face muscles may look or feel stiff. People with Parkinson's may sometimes feel so stiff they feel frozen and unable to move.
- **Slow movement:** movement can be slow and people may take small steps or shuffle when walking. Small movements such as writing, typing, shaving or buttoning up clothes can also be difficult.
- **Balance** problems or difficulty standing up straight.

Other problems that can affect people with Parkinson's include:

- Tiredness or exhaustion
- Sadness or depression
- Problems with balance
- Constipation
- Difficulty speaking or swallowing
- Problems doing more than one thing at a time.

Parkinson's does not cause death and people can continue to enjoy a long and productive life.

It may take many years for symptoms to progress to a point where they cause major problems. When they do, many of these symptoms can be managed with treatment and support.